SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal
"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Medical Officer — Ayurved / Unani / Homoeopathy (Rajasthan)

आयुर्वेद, यूनानी एवं होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी राज्य की आयुष सेवाओं का प्रवेश-स्तर का चिकित्सक पद है। काम वही है जो किसी भी चिकित्सक का होता है — रोगी की जाँच, रोग-निदान, चिकित्सा-योजना एवं औषधि, तथा आवश्यकता होने पर उच्चतर...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-ayush-medical-officer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

आयुर्वेद, यूनानी एवं होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी राज्य की आयुष सेवाओं का प्रवेश-स्तर का चिकित्सक पद है। काम वही है जो किसी भी चिकित्सक का होता है — रोगी की जाँच, रोग-निदान, चिकित्सा-योजना एवं औषधि, तथा आवश्यकता होने पर उच्चतर केंद्र को संदर्भित करना — पर वह अपनी-अपनी चिकित्सा-पद्धति के अनुसार। राजस्थान में इन तीनों पद्धतियों के लिए अलग-अलग समानांतर संवर्ग हैं: आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी, और तीनों की संरचना नियमों में एक जैसी है — प्रवेश पर चिकित्सा अधिकारी, और उससे ऊपर सहायक निदेशक, उप निदेशक, अतिरिक्त निदेशक एवं निदेशक तक की सीढ़ी। इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि बी.ए.एम.एस., बी.एच.एम.एस. अथवा बी.यू.एम.एस. करने वाले विद्यार्थी के लिए राज्य सरकार में एक पूर्ण एवं स्पष्ट करियर-मार्ग मौजूद है, न कि केवल निजी अभ्यास। ग्रामीण राजस्थान में आयुष औषधालय प्रायः वह निकटतम सरकारी चिकित्सा-सुविधा होते हैं जहाँ लोग पहले पहुँचते हैं, इसलिए इस पद का व्यावहारिक महत्त्व उसके संवर्ग के आकार से बड़ा है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	संबंधित पद्धति में स्नातक डिग्री — आयुर्वेद के लिए बी.ए.एम.एस., होम्योपैथी के लिए बी.एच.एम.एस., यूनानी के लिए बी.यू.एम.एस. — किसी विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से अथवा समकक्ष, तथा भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद अधिनियम, 1970 के अंतर्गत मान्यता-प्राप्त (सेवा नियम 1973)
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — विभाग: आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा (आयुष)
आयु-सीमा	20 से 45 वर्ष, आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को — ऊपरी सीमा 45 है, जो राजस्थान के अधिकांश पदों से पाँच वर्ष अधिक (सेवा नियम 1973, नियम 9) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	तीनों पद्धतियों में प्रवेश पद 100% सीधी भर्ती से — उससे ऊपर के सभी पद पदोन्नति से

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- चिकित्सा एवं रोगियों की सेवा में रुचि
- भारतीय अथवा वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में विश्वास एवं अध्ययन
- ग्रामीण एवं सामुदायिक स्वास्थ्य से जुड़ा काम

क्षमताएँ

- रोगी की बात सुनने एवं लक्षणों को क्रम से जोड़ने की क्षमता
- अपनी पद्धति की सीमा पहचानना और समय पर संदर्भित करना
- लंबे एवं धैर्यपूर्ण उपचार-क्रम को निभाना

ज़रूरी कौशल

- रोग-निदान एवं चिकित्सा-योजना, अपनी पद्धति के अनुसार
- औषधि, मात्रा एवं अनुपान की जानकारी
- पंचकर्म एवं संबंधित चिकित्सा-प्रक्रियाएँ (आयुर्वेद)
- औषधालय का प्रबंधन, भंडार एवं अभिलेख
- सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं शिविर
- आधुनिक चिकित्सा की आधारभूत समझ, ताकि गंभीर प्रकरण समय पर संदर्भित हों

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान (भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान) उत्तीर्ण करें — यह सभी आयुष डिग्रियों की पूर्व-शर्त है।
2. नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) उत्तीर्ण करें। आयुष स्नातक पाठ्यक्रमों — बी.ए.एम.एस., बी.एच.एम.एस. एवं बी.यू.एम.एस. — में प्रवेश इसी परीक्षा से होता है, वही परीक्षा जिससे एम.बी.बी.एस. में प्रवेश मिलता है। यह उन विद्यार्थियों के लिए महत्त्वपूर्ण जानकारी है जो नीट देते हैं पर एम.बी.बी.एस. की सीट तक नहीं पहुँच पाते: आयुष पाठ्यक्रम उसी परीक्षा के आधार पर चिकित्सक बनने का दूसरा वैध मार्ग है।
3. अपनी पद्धति की स्नातक डिग्री पूरी करें — आयुर्वेद के लिए बी.ए.एम.एस., होम्योपैथी के लिए बी.एच.एम.एस., यूनानी के लिए बी.यू.एम.एस.। इनमें इंटर्नशिप सम्मिलित रहती है।
4. महाविद्यालय चुनते समय मान्यता अवश्य जाँचें। नियम में शर्त यह है कि डिग्री भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद अधिनियम, 1970 के अंतर्गत मान्यता-प्राप्त हो — अर्थात् अमान्य संस्थान की डिग्री से यह पद नहीं मिलेगा, चाहे पढ़ाई पूरी क्यों न हो। यह वह बिंदु है जहाँ वर्षों और पैसे दोनों का नुकसान होता है, इसलिए प्रवेश से पहले पुष्टि करें।
5. आयु 20 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। ऊपरी सीमा 45 है, जो राजस्थान के अधिकांश पदों की 40 से अधिक है — यह उन अभ्यर्थियों के लिए व्यावहारिक रूप से महत्त्वपूर्ण है जिन्होंने पहले निजी अभ्यास किया हो अथवा जिनकी पढ़ाई देर से पूरी हुई हो।

6. आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति आने पर आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- इस पद तक दो अलग दरवाज़े जाते हैं, और यह जान लेना इस पृष्ठ की सबसे व्यावहारिक बात है। ऊपर बताया गया रास्ता नियमित सेवा का है, जिसकी भर्ती राजस्थान लोक सेवा आयोग करता है। दूसरा रास्ता संविदा का है: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड "संविदा आयुष अधिकारी (आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी)" के पदों पर भर्ती करता है — विज्ञापन संख्या 06/2025 इसी का उदाहरण है — और वह राजस्थान कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट्स रूल्स, 2022 के अंतर्गत होती है। योग्यता लगभग वही है: भारत में विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से बी.ए.एम.एस. (अथवा भिषगाचार्य/आयुर्वेदाचार्य) के साथ राजस्थान इंडियन मेडिसिन बोर्ड में पंजीयन, अथवा बी.एच.एम.एस. के साथ राजस्थान होम्योपैथिक बोर्ड में पंजीयन, अथवा यूनानी की समकक्ष योग्यता एवं पंजीयन।
- तीनों पद्धतियों में प्रवेश-स्तर का चिकित्सा अधिकारी पद 100% सीधी भर्ती से भरा जाता है — अनुसूची में इसके आगे पदोन्नति का कोई प्रतिशत नहीं है। इसका सीधा अर्थ यह है कि इस पद तक केवल बाहर से ही पहुँचा जाता है, और उससे ऊपर के सभी पद विभाग के भीतर से पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं।
- आयु-सीमा पर एक बात दर्ज करने योग्य है, क्योंकि इन नियमों को पढ़ते समय भूल होना आसान है। नियम 9 का वर्तमान पाठ 20 से 45 वर्ष कहता है। उसी पृष्ठ पर नीचे फुटनोट में पुराना पाठ उद्धृत है, जिसमें कनिष्ठ पदों के लिए 28 वर्ष एवं वरिष्ठ पदों के लिए 40 वर्ष की सीमा थी — वह प्रतिस्थापित हो चुका है और आज लागू नहीं है।
- इस पद के बारे में एक बात इस परियोजना के अपने अभिलेख से दर्ज की जा रही है। 19 अगस्त को इस पद को आयोग की 246 विज्ञप्ति-नामों की सूची में खोजा गया था, नहीं मिला, और "अनुपस्थित" के रूप में दर्ज कर दिया गया। वह निष्कर्ष विज्ञप्ति-सूची के बारे में सही था, पर पद के बारे में गलत था — सेवा नियम इस पद को स्पष्ट रूप से स्थापित करते हैं, उसका संवर्ग एवं पदोन्नति सीढ़ी सहित। किसी पद का किसी सूची में न मिलना और उसका अस्तित्व न होना दो अलग बातें हैं।
- अंतर योग्यता में नहीं, सेवा-शर्तों में है, और वही निर्णय का आधार होना चाहिए। संविदा पद पर मानदेय ₹28,050 प्रतिमाह निर्धारित है — यह अंक विज्ञप्ति में स्पष्ट दिया गया है, जबकि नियमित पद का पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं मिलता और उसे विज्ञप्ति में देखना पड़ता है। किंतु संविदा पद पर वेतनमान, महँगाई भत्ता, वार्षिक वेतन-वृद्धि, पदोन्नति एवं पेंशन लागू नहीं होते, और नियोजन मिशन के आवंटन से बँधा रहता है। अर्थात् संविदा पद पर आरंभिक निश्चित राशि दिख जाती है, और नियमित पद पर दीर्घकालिक सुरक्षा — दोनों को एक साथ रखकर देखना ही सही तुलना है। व्यावहारिक सलाह यह है कि बी.ए.एम.एस. अथवा बी.एच.एम.एस. पूरा करने के बाद दोनों भर्तियों की विज्ञप्तियाँ देखते रहें, क्योंकि वे अलग-अलग संस्थाओं से अलग-अलग समय पर आती हैं — आर.पी.एस.सी. से नियमित पद की और कर्मचारी चयन बोर्ड से संविदा पद की।
- योग्यता की शर्त सरल एवं एकल है: संबंधित पद्धति में स्नातक डिग्री, किसी विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से अथवा समकक्ष, तथा भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद अधिनियम, 1970 के अंतर्गत मान्यता-प्राप्त। नियम इस अधिनियम का नाम लेकर उल्लेख करता है, इसलिए मान्यता की जाँच औपचारिकता नहीं है।
- तीनों पद्धतियों की सीढ़ी नियमों में एक जैसी रखी गई है और अनेक पद "इंटर चेंजेबल" (परस्पर विनिमेय) घोषित हैं — जैसे सहायक निदेशक एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ग्रेड-II, अथवा उप निदेशक एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ग्रेड-I। इसका अर्थ यह है कि आगे का करियर प्रशासनिक एवं चिकित्सकीय दोनों दिशाओं में जा सकता है, और दोनों एक ही स्तर पर माने जाते हैं।
- ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं। यह आयोग का पद है, बोर्ड का नहीं।

- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- National Institute of Ayurveda, Jaipur — a Government of India institution of national importance — जयपुर, राजस्थान (https://nia.nic.in/)
- Government Ayurved, Unani and Homoeopathy colleges of Rajasthan — जयपुर, उदयपुर, अजमेर एवं अन्य (https://ayush.gov.in)
- Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University — जोधपुर, राजस्थान (https://www.rajuvas.org)
- Government senior secondary schools — Class 12 with biology, the first step — हर ब्लॉक में

ऑनलाइन

- आयुर्वेद विभाग (आयुष), राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://ayush.gov.in)
- National Commission for Indian System of Medicine — recognised colleges and courses — मान्यता जाँचने के लिए यही आधिकारिक स्रोत है (https://ncismindia.org/)
- National Commission for Homoeopathy — भारत सरकार (https://nch.org.in/)
- Ministry of AYUSH, Government of India — भारत सरकार (https://ayush.gov.in/)

- NEET — the entrance examination for all AYUSH undergraduate courses — राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (https://neet.nta.nic.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

यह साढ़े पाँच वर्ष का चिकित्सा-स्तर का पाठ्यक्रम है जिसमें इंटर्नशिप सम्मिलित है, इसलिए यह लंबी पढ़ाई है और इसे पहले से जानकर योजना बनानी चाहिए। राजकीय आयुष महाविद्यालयों का शुल्क निजी संस्थानों की तुलना में बहुत कम रहता है, और नीट की काउंसलिंग में सरकारी सीट को प्राथमिकता देना इस राह का सबसे बड़ा आर्थिक निर्णय है — निजी आयुष महाविद्यालयों का शुल्क कई गुना अधिक होता है। राजस्थान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर तथा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर जैसे सरकारी संस्थान उपलब्ध हैं। राज्य की छात्रवृत्तियाँ एवं अनुप्रति जैसी योजनाएँ इस राह पर लागू होती हैं। एक व्यावहारिक बात यह भी है कि यह डिग्री केवल इसी सरकारी पद के लिए नहीं — निजी अभ्यास, आयुष चिकित्सालय, औषधि निर्माण, अनुसंधान एवं शिक्षण सब इसी से खुलते हैं, इसलिए भर्ती की प्रतीक्षा में आजीविका रुकती नहीं।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

राजकीय आयुष औषधालय एवं चिकित्सालय, ज़िला आयुष इकाइयाँ, तथा सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं शिविर। नियुक्ति प्रायः ग्रामीण अथवा छोटे कस्बों के औषधालयों में होती है, जहाँ चिकित्सा अधिकारी अकेला अथवा बहुत छोटे अमले के साथ होता है।

कार्य-संस्कृति

ग्रामीण औषधालय में यह पद प्रायः अकेले का काम होता है — चिकित्सक, प्रबंधक एवं अभिलेखपाल तीनों भूमिकाएँ एक ही व्यक्ति निभाता है, और आने वाले रोगियों की संख्या अपेक्षा से अधिक होती है। रोगी वहाँ अक्सर इसलिए आते हैं क्योंकि वही निकटतम सरकारी सुविधा है, न कि इसलिए कि उन्होंने चिकित्सा-पद्धति चुनी है; इसका अर्थ यह है कि आने वाले प्रकरणों में बड़ा हिस्सा सामान्य एवं तीव्र बीमारियों का होता है, और चिकित्सक को यह जानना पड़ता है कि कब अपनी पद्धति से उपचार करना है और कब बिना देर किए उच्चतर केंद्र को संदर्भित करना है। यही निर्णय इस पद का सबसे महत्त्वपूर्ण कौशल है और वही सबसे कठिन भी। दूसरी ओर, जीर्ण रोगों — संधिवात, त्वचा रोग, पाचन एवं जीवनशैली से जुड़ी व्याधियों — में इन पद्धतियों का अपना बल है, और वहाँ रोगी के साथ लंबा संबंध बनता है जो आधुनिक चिकित्सा की व्यस्त ओ.पी.डी. में कम मिलता है। समुदाय में आयुष चिकित्सक का स्थान प्रायः विश्वास का होता है, विशेषकर वहाँ जहाँ वह वर्षों से एक ही स्थान पर हो।

कौन नौकरी देता है

- आयुर्वेद विभाग (आयुष), राजस्थान — राजकीय आयुष औषधालय एवं चिकित्सालय
- ज़िला आयुष इकाइयाँ एवं सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम
- राजकीय आयुष महाविद्यालयों से संबद्ध चिकित्सालय
- ग्रामीण आयुष सेवाओं की अलग नियमावली (राजस्थान ग्रामीण आयुर्वेदिक, यूनानी, होम्योपैथी एवं प्राकृतिक चिकित्सा सेवा नियम, 2008) के अंतर्गत पद

माँग (2026)

राजस्थान में आयुष औषधालयों का जाल बड़ा है और ग्रामीण क्षेत्रों में वे प्रायः निकटतम सरकारी चिकित्सा-सुविधा होते हैं, इसलिए इस संवर्ग की आवश्यकता स्थायी है। तीन अलग पद्धतियों के तीन समानांतर संवर्ग होने का एक व्यावहारिक परिणाम यह है कि प्रतिस्पर्धा भी विभाजित रहती है — बी.ए.एम.एस. वाले आयुर्वेद के पदों के लिए, बी.एच.एम.एस. वाले होम्योपैथी के, और बी.यू.एम.एस. वाले यूनानी के; कोई एक-दूसरे के पदों के लिए पात्र नहीं। यह उन विद्यार्थियों के लिए महत्त्वपूर्ण है जो पद्धति चुन रहे हैं, क्योंकि तीनों में पदों की संख्या एक जैसी नहीं होती। एक और बात जो प्रायः नहीं बताई जाती: नीट के माध्यम से ही इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश होता है, इसलिए जो विद्यार्थी नीट देता है पर एम.बी.बी.एस. की सीट तक नहीं पहुँचता, उसके लिए यह चिकित्सक बनने का दूसरा वैध एवं पूर्ण मार्ग है, जिसमें राज्य सरकार का स्पष्ट करियर-ढाँचा भी जुड़ा है। यह भी ध्यान रखें कि ग्रामीण आयुष सेवाओं के लिए 2008 की अलग नियमावली है, इसलिए विज्ञप्ति पढ़ते समय देखें कि वह किस नियमावली के अंतर्गत है। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद / होम्योपैथी / यूनानी) — प्रवेश का पद, 100% सीधी भर्ती

2. सहायक निदेशक / वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ग्रेड-II — 100% पदोन्नति से; ये दोनों पद नियमों में परस्पर विनिमेय घोषित हैं
3. उप निदेशक / वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ग्रेड-I — 100% पदोन्नति से, परस्पर विनिमेय
4. अतिरिक्त निदेशक / प्रधान चिकित्सा अधिकारी — 18 वर्ष की सेवा सहित निर्धारित अनुभव पर
5. निदेशक — संवर्ग का सर्वोच्च पद, अतिरिक्त निदेशक के पद से पदोन्नति द्वारा

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹70,000 – ₹95,000 (भत्तों सहित, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी स्तर पर)
वरिष्ठ स्तर	₹1,10,000 से अधिक (भत्तों सहित, उप एवं अतिरिक्त निदेशक स्तर पर)

1973 के सेवा नियमों में इस पद के लिए पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। यह साढ़े पाँच वर्ष की चिकित्सा-स्तर की डिग्री वाला पद है, इसलिए इसका वेतनमान स्नातक-स्तरीय पदों से काफ़ी ऊपर रहता है। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। एक तुलना ध्यान में रखने योग्य है: निजी आयुष अभ्यास की आरंभिक आय अत्यंत अनिश्चित रहती है, जबकि यह पद पहले दिन से नियमित वेतन एवं सेवा-सुरक्षा देता है। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- नीट के माध्यम से चिकित्सक बनने का दूसरा वैध एवं पूर्ण मार्ग
- तीनों पद्धतियों में प्रवेश पद 100% सीधी भर्ती से
- ऊपरी आयु-सीमा 45 वर्ष — अधिकांश पदों से पाँच वर्ष अधिक
- निदेशक तक जाती स्पष्ट पदोन्नति सीढ़ी, जिसमें प्रशासनिक एवं चिकित्सकीय दोनों दिशाएँ समान स्तर पर
- वही डिग्री निजी अभ्यास, औषधि निर्माण, अनुसंधान एवं शिक्षण में भी चलती है

चुनौतियाँ

- साढ़े पाँच वर्ष की लंबी पढ़ाई, इंटर्नशिप सहित
- महाविद्यालय की मान्यता की शर्त कठोर — अमान्य संस्थान की डिग्री से पात्रता नहीं
- तीनों संवर्ग अलग हैं, इसलिए एक पद्धति का अभ्यर्थी दूसरी के पदों के लिए पात्र नहीं
- ग्रामीण औषधालय में प्रायः अकेले का काम, जहाँ चिकित्सक ही प्रबंधक एवं अभिलेखपाल भी होता है
- अपनी पद्धति की सीमा पहचानकर समय पर संदर्भित करने का निर्णय कठिन एवं उत्तरदायित्वपूर्ण है

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान आयुर्वेदिक, यूनानी, होम्योपैथी एवं प्राकृतिक चिकित्सा सेवा नियम, 1973 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/202308220502591570851ayurded1973_merged.pdf

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

3. आयुष मंत्रालय, भारत सरकार — राजस्थान आयुर्वेद विभाग की साइट वर्तमान में उपलब्ध नहीं — https://ayush.gov.in

4. राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग — मान्यता-प्राप्त महाविद्यालय — https://ncismindia.org/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in